संपादक की कलम से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के परिचय भाग में कहा गया है, 'सभी के लिए समावेशी और सामान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढावा दिए जाने के उदात्त लक्ष्य के लिए सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली को पुनर्गठित करने की आवश्यकता होगी ताकि भारत द्वारा २०१५ में अपनाये गए सतत विकास एजेंडा २०३० के सभी महत्वपूर्ण लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त किये जा सके|'

प्रस्तावित लचीला शैक्षणिक पाठ्यक्रम (एफएपी) इसी वांछित पुर्नगठनकी दिशा में किया जा रहा एक महत्वाकांक्षी प्रयास है| वस्तुतः पराविद्यालयीय शिक्षा से पी एच डी तक चलने वाला यह लचीला शैक्षणिकपाठ्यक्रम(Flexible Academic Program) एक ऐसा नया ढांचा (Framework) है जिसे किसी भी तरह की उच्चशिक्षा के लिए उपयोग किया जा सकता है| बहुनिकास (Multi Exit) एवं भविष्य में उसी बिंदु से पुन: प्रवेश के विकल्प के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की अन्य अनेक विशेषताएं जैसे बहु-विषयक (Multidisciplinary), बहु-आयामी (Multimode), बहुभाषी (Multiple Languages), पार्श्व प्रविष्टि (Lateral entry) इत्यादि को भी FAP द्वारा आसानी से लागू किया जा सकेगा| साथ ही 'सभी के लिए समावेशी और सामान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित' किये जाने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस प्रस्ताव में बहु-संस्थान (Multi-Institute) विकल्प को भी मूर्तरूप दिया गया है, जिसमे सम्पूर्ण पारदर्शिता के साथ चयनित छात्रो को विभिन्न राष्ट्रीय महत्त्व के या अन्य समकक्ष संस्थानों में कुछ समय शिक्षा अध्ययन के अनेक मौके उपलब्ध करवाने को सुनिश्चित किया गया है|

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में शिक्षकों को बहुत महत्वपूर्ण मानते हुए कहा गया है कि शिक्षा व्यवस्था में किये जा रहे बुनियादी बदलावों के केंद्र में अवश्य ही शिक्षक होने चाहिए | शिक्षा की नींव को निश्चित तौर पर हर स्तर से शिक्षकों को समाज के सर्वाधिक सम्माननीय और अनिवार्य सदस्य के रूप में पुनः स्थान देने की सहायता करनी होगी | क्योंकि शिक्षक ही नागरिकों की अगली आने वाली पीढ़ी को सही मायने में आकार देंगे| इस नीति द्वारा शिक्षकों को सक्षम बनाने के लिए हर संभव कदम उठाये जाने की आवश्यकता है, जिससे वें अपने कार्य प्रभावी रूप से कर सकें | नयी सिक्षा नीति को हर स्तर FAP में इसी विचारधारा के अनुरूप सहभागी संस्थानों के शिक्षकों को कुछ शर्तो के साथ अपने पाठ्यक्रम बनाकर उन्हें उपयुक्त शुल्क के साथ छात्रों को पढ़ाने के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव है |

प्रथमतः ५ सितम्बर शिक्षक दिवस २०२० को ट्रिपलआईटी और उसके बाद १७ सितम्बर को एनआईटी और २० सितम्बर को आईआईटी के निदेशकों और शिक्षको के लिए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नईदिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनारो में 'लचीला शैक्षणिक पाठ्यक्रम' का प्रारूप प्रस्तुत किया गया था| तदन्तर अनेक संगोष्ठियों, ट्रिपलआईटीए प्रयागराज, एनआईटी पटना, ट्रिपलआईटी पुणे जैसे राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों की सीनेट (Senate), आईट्रिपलई (IEEE) जैसी विश्व विख्यात संस्था, विभिन्न विशेषज्ञों से मिले सुझावो को समायोजित करते हुवे जो 'लचीला शैक्षणिक पाठ्यक्रम' तैयार हुआ था उसके विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा हेतु ३ और ४ दिसम्बर २०२१ को ट्रिपलआईटीए प्रयागराज में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ| कई आईआईटी/ एनआईटी/ ट्रिपलआईटी के निदेशकों, कुछ निदेशकों द्वारा नामित उनके संस्थान के वरिष्ठ शिक्षको, कुछ राज्य तकनिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, एआईयु (AIU), शिक्षा मंत्रालय, नीति आयोग, AICTE जैसे संस्थाओ से जुड़े विशिष्ठ व्यक्तियों, के साथ ही अन्य अनेक गणमान्य विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुवे सार्थक चर्चा की| सभी वक्ताओ के विचारो को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया गया है, जिसे जल्दी ही एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा| लेकिन इस पुस्तिका में विभिन्न पैनल की समेकित अनुशंषाओ को संकलित किया गया है| इसे देश के सभी संस्थानों और विश्विद्यालयो में भेजा जायेगा ताकि वह अपने स्तर पर लचीला शैक्षणिक पाठ्यक्रम (एफएपी) लागू कर सके|

शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ से FAP के प्रायोगिक क्रियान्वयन (Pilot Run) हेतु उपरोक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में तीन आकर्षक तरीके उभरकर आये है: (अ) राष्ट्रीय स्तर पर कुछ चुनिन्दा संस्थान संगठित हो, उनमे से कोई एक समन्वयक बने; (ब) क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र के राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों को साथ लेकर समन्वयन करे; (स) आईआईटी को शिक्षा मंत्रालय ने आसपास के संस्थानों को मार्गदर्शन (mentoring) करने का जो आदेश दिया है उसी को आगे बढ़ाते हुवे एक संगठन बनाया जाए, और सम्बंधित आई आई टी समन्वयन करे| अगर यह तीनो ही विकल्प एक साथ लागू हो जाए तो और भी अच्छा ही है| इन सभी संभावित क्रियान्वयन तरीको की सहायता हेतु सुचना प्रोद्योगिकी मंच (Information Technology Platform) फेपीस (FAPIS: Flexible Academic Program Integrated Services) को जल्दी की चालू (activate) किया जाएगा|

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में उल्लेखित मूलभूत सिद्धांत ही इस प्रस्तावित लचीले शैक्षणिक पाठ्यक्रम का आधार है|, राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० भाग ९.३ के अनुसार, 'यह नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल बदलाव और नए जोश के संचार के लिए उपयुक्त चुनौतियों को दूर करने के लिए कहती है'| इसीलिए मुझे विश्वास है की अगर हम सभी इस लचीले शैक्षणिक पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए कमर कस ले, पूरे मन से प्रयास करे तो यह राष्ट्र स्वयं हमें आवश्यक शक्ति देगा जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के वृहद उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकेगा|

(प्रो नीतेश पुरोहित)
राष्ट्रीय समन्वयक, फेप (FAP)
प्रोफेसर, भा.सू.प्रौ.सं.इ.,प्रयागराज